खबर संक्षेप

जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

शहडोल। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा ने भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देश पर बाल विवाह मुक्त भारत का 100 दिवसीय अभियान के तहत बाल विवाह के प्रति जनमानस को जागरूक करने एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु जागरूकता रथ को जिला पंचायत कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ जिलें के विभिन्न ब्लाकों एवं ग्रामों में भ्रमण कर जनमानस को बाल विवाह के प्रति जागरूक एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, अतिरिक्तप मुख्यम कार्यपालन अधिकारी मुद्रिका सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत सत्र 2025 का हुआ अंतिम आयोजन

जयसिंहनगर। नगरीय मुख्यालय अन्तर्गत अपर सत्र न्यायालय जयसिंहनगर में सत्र 2025 के दिसम्बर माह में नेशनल लोक अदालत का अंतिम आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ, अब आगामी आयोजन नए सत्र 2026 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित किए गए तिथियों के साथ प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर सत्र न्यायाधीश शिवलाल केवट ने सारगर्भित उद्बोधन के साथ पक्षकार व सम्बन्धित शासकीय एवं अद्र्धशासकीय समिति/संस्थाओं के मध्य शांतिवार्ता के साथ लंबित वित्तीय व अन्य प्रकरणों का निराकरण करने का निर्देश देते हुए किया। कार्यक्रम आयोजन में न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड सुश्री कीर्ति उईके व न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड सुश्री लघुता मरकाम ने अपनी विशिष्ट उपस्थिति देकर नेशनल लोक अदालत के आयोजित मंच द्वारा पक्षकारों और समिति/संस्थाओं के मध्य लंबित प्रकरणों में इस आयोजन से होने वाले न्यायालय द्वारा पक्षकार हित में शांतिपूर्ण सुलहनामे के लाभ की जानकारी से सरल शब्दवाक्यों में प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिवक्ता संघ अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद तिवारी, अधिवक्ता क्रमशः नारेन्द्र शुक्ला, अनूप मिश्रा, हेतराम अहिरवार, संध्या मिश्रा व अन्य सभी अधिवक्ताओं ने पक्षकारों में विश्वसनीयता बरकरार रखने का संकल्प लेकर अपनी प्रेरक उपस्थिति दी। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन अधिवक्ता संतोष तिवारी द्वारा अपने सरल व मधुर शब्दों द्वारा किया गया।

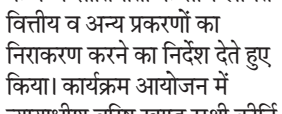

विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया कार्यक्रम

शहडोल। एनसीसी दिवस के अवसर पर एनसीसी कैडेटों को देश की सीमा में तैनात जवानों के जंग लडने के तरीकों और दुष्मनों को मुह तोड़ जवाब देने का अभ्यास पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय स्थित खेल मैदान में कराया गया। एनसीसी कैडेटों ने सेना के जवानों की वेश-भूशा में जंग भाग लेकर दुष्मनों के बैरक को नष्ट कर दुष्मनों का खात्मा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैनिक कल्याण बोर्ड के सीईओ कर्नल अरूण कुमार शुक्ला, कुलगुरू प्रो. रमाशंकर तथा कुल सचिव डॉ. आशीष तिवारी रहे। एनसीसी कैडेटों द्वारा अतिथियों का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया।

कोटमा रोड पर फिर गरजीं अतिक्रमण की कुल्हाड़ियां!

शिवम कॉलोनीवासियों का आक्रोश

सरकारी जमीन हड़पने वालों को खुला संरक्षण

शहडोल।

ज़िले में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में प्रशासन की ढुलमुल कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नगर के हृदयस्थल वार्ड क्रमांक 24, कोटमा रोड स्थित एमपीएसईबी सब स्टेशन के सामने की कीमती शासकीय भूमि को हड़पने की नीयत से हो रहे अवैध निर्माण ने एक बार फिर सिर उठा लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि यह मामला नया नहीं है, स्थानीय शिवम् कॉलोनी के निवासियों ने वर्ष 2023 में भी इसी अवैध निर्माण के खिलाफ लिखित शिकायत की थी, लेकिन तब जिम्मेदारों ने शायद अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली थी, जिसका नतीजा यह है कि अब अतिक्रमणकारी और भी बुलंद हौसले के साथ फिर से अपनी मनमानी पर उतर आए हैं।

पुरानी शिकायतें, नया निर्माण

स्थानीय निवासियों द्वारा वर्ष 2023 में कलेक्टर को दिए गए शिकायती पत्र उल्लेख किया था कि चंद्रिका प्रसाद पाठक नामक निवासी, जो शिवम् कॉलोनी में रहता है, शिव मंदिर बनाने की आड़ में शासकीय भूमि पर कब्जा करते हुए न केवल अवैध

निर्माण कर डाला है, बल्कि अब एक बार फिर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। 2023 की शिकायत के बावजूद न तो नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कोई कार्रवाई की और न ही राजस्व विभाग जागा। शिकायत में स्पष्ट बताया गया था कि यह शासकीय भूमि शगुन मेडिकल स्टोर के सामने स्थित है और इसकी प्रकृति पुष्प-प्रदीप जगसवाल द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाकर खाली कराई गई थी, लेकिन अब इसी भूमि को हड़पने के लिए बाउंड्रीवॉल बनाकर निर्माण किया जा रहा है। निवासियों का आरोप था कि यह निर्माण सीधे तौर पर शासकीय भूमि अतिक्रमण कर मकान बनाने हेतु शुरू किया गया है और इसके लिए बाहर से मज़दूर बुलाकर नींव की खुदाई की गई है।

बरसात का खतरा और जनता का आक्रोश

यह मामला केवल सरकारी जमीन हड़पने तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे-सीधे जनहित से जुड़ा है। शिकायती पत्र में जोर देकर कहा गया था कि यह

श्रीमान कलेक्टर महोदय
जिला शहडोल (म.प्र.)

O/C दिनांक 15/5/2023

अतिक्रमण एक जल-निकासी मार्ग के बिल्कुल पास है। यदि इस भूमि पर अवैध निर्माण पूर्ण होता है, तो बरसात के मौसम में कॉलोनी के घरों में बाढ़ आना तय है। निवासियों का साफ कहना था कि इस निर्माण से न सिर्फ जल-निकासी रुकेगी, बल्कि यह कॉलोनी के निवासियों के लिए मांगलिक कार्यों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी असुविधा पैदा करेगा। कॉलोनी वासियों ने एक स्वर में ज़िला प्रशासन से मांग की है कि उक्त भूमि को तत्काल आरक्षित किया जाए ताकि भविष्य में कोई भी आम आदमी इस पर अतिक्रमण करने की जुर्रत न कर सके।

प्रशासन की चुप्पी पर तीखे सवाल

सवाल यह है कि जब स्थानीय निवासियों ने बकायदा नगर पालिका अधिकारी को सूचना दी थी, तो 2023 में कार्रवाई क्यों नहीं हुई? वर्तमान में एक बार फिर अतिक्रमण का खेल अपने चरम पर है, क्या यह अधिकारियों की लापरवाही है या फिर अतिक्रमणकारियों को राजकीय संरक्षण प्राप्त है? 2023 में शिकायत हुई थी और आज फिर से वही गतिविधि हो रही है। इस तरह की निष्क्रियता सीधे तौर पर सरकारी खजाने को क्षति पहुंचाती है और ईमानदार नागरिकों के मन में कानून के प्रति निराशा पैदा करती है। अतिक्रमण शाखा की कुल्हाड़ी कब चलेगी? कलेक्टर को दिए गए इस शिकायती पत्र पर कार्रवाई की उम्मीद है, लेकिन सवाल यह है कि यदि इस बार भी कार्रवाई नहीं हुई, तो क्या यह माना जाए कि ज़िले में भू-माफियाओं के सामने प्रशासन ने घुटने टेक दिए हैं?

चावल परिवहन में गबन, तीन आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के गोदाम से चावल परिवहन के दौरान गबन का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है।

थाना कोतवाली में फरियादी दीपक जैन द्वारा 17 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार 19 जून 2025 को एमपी वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के गोदाम नंबर 05 शहडोल से वाहन क्रमांक एमएच 40 सीएम 1517 में 260 बोरी चावल लोड कर स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन खंडवा के लिए रवाना किया गया था। वाहन चालक एवं मालिक को गेट पास, कांटा पर्ची, बिल्टी सहित सभी आवश्यक दस्तावेज सौंपे गए थे, लेकिन निर्धारित समयावधि में न तो वाहन और न ही चावल खंडवा पहुंचे।

फरियादी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन पर प्रथम दृष्टया गबन का अपराध पाया गया, जिस पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर घटना में संलिप्त तीन व्यक्तियों को 14 दिसंबर को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में विकास पटेल उम्र 24 वर्ष निवासी गांधीग्राम बुढागर, जिला जबलपुर, जो वाहन मालिक का भतीजा है; जीतू कुमार पटेल उर्फ जितेंद्र पटेल उम्र 29 वर्ष निवासी दरौली कला, जिला जबलपुर, वाहन चालक; तथा लालू उर्फ अनुराग असाटी उम्र 33 वर्ष निवासी गांधीग्राम बुढागर, जिला जबलपुर, जो चोरी का चावल खरीदने वाला बताया गया है, शामिल हैं।

तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्रवाई कोतवाली प्रभारी के नेतृत्व में उप निरीक्षक विश्वनाथ तिवारी, प्रधान आरक्षक आशाराम, पंचम सिंह एवं कैलाश प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से गबन व कालाबाजारी में संलिप्त तत्वों में हडक़ंप मच गया है।

बाल विवाह के प्रति जागरूक करने आयोजित किया गया कार्यक्रम

शहडोल।

जिले में बाल विवाह के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी कर्मचारियों द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भारत सरकार के निर्देशानुसार बाल विवाह मुक्त भारत का 100 दिवसीय अभियान के तहत शासकीय जनजातीय बालक आश्रम स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला बाल विकास श्रीमती संजीता भगत ने विद्यार्थियो को बाल विवाह के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि आज भी हमारे समाज में कई जगहों पर बाल विवाह होता है जिसका दुष्परिणाम यह होता है कि कम उम्र में बच्चे गर्भवती हो जाती हैं, परिणाम

यह होता है कि बच्चे न तो शारीरिक रूप से परिपक्व हो पाते हैं और न मानसिक रूप से। शासकीय योजनाओं अंतर्गत यह हैं कि, जब बाल विवाह होता है तो शासन द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ नहीं दिया जाता है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह कानूनन दण्डनीय अपराध है, विवाह के लिए युवक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष तथा बालिका की 18 वर्ष होना अनिवार्य है। उन्होने बताया कि बाल विवाह की सूचना चाईल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098, महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 पर दें। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती भानुप्रिया महरा केसवर्कर एवं विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माइंड्स आई इंटरनेशनल हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

शहडोल।

माइंड्स आई इंटरनेशनल हाई स्कूल, शहडोल के विद्यार्थियों का पाँच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 9 दिसंबर से 13 दिसंबर 2025 तक हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं सिनेमा जगत की महत्वपूर्ण धरोहरों से प्रत्यक्ष परिचय कराना रहा। यात्रा शहडोल रेलवे स्टेशन से नागपुर मार्ग होते हुए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन तक की गई, जबकि वापसी सिकंदराबाद से रायपुर मार्ग होते हुए शहडोल की गई।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गोलकुंडा किले का अवलोकन किया, जहाँ उन्होंने किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, अद्वितीय स्थापत्य कला और तत्कालीन सुरक्षा प्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात सालारजंग संग्रहालय में विश्व प्रसिद्ध कलाकृतियों, दुर्लभ पांडुलिपियों और ऐतिहासिक धरोहरों का अध्ययन किया, जो विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। चौमहल्ला पैलेस और चारमीनार के भ्रमण से विद्यार्थियों को हैदराबाद की शाही विरासत, निज़ामी संस्कृति और स्थापत्य सौंदर्य को समझने का अवसर मिला।

नेहरू जूलॉजिकल पार्क में विद्यार्थियों ने विभिन्न वन्य जीवों को निकट से देखा और जैव विविधता संरक्षण के महत्व को जाना। हुसैन सागर झील, लुंबिनी पार्क और विशाल बुद्ध प्रतिमा के अवलोकन से विद्यार्थियों में शांति, पर्यावरण संरक्षण और नगर सौंदर्यीकरण के प्रति जागरूकता विकसित हुई। लाड बाजार भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हैदराबाद की पारंपरिक संस्कृति, आभूषणों और स्थानीय बाजार व्यवस्था को नजदीक से समझा।

इस शैक्षणिक भ्रमण का प्रमुख आकर्षण रामोजी फिल्म सिटी रहा। यहाँ विद्यार्थियों ने बाहुबली फिल्म के भव्य सेट सहित विभिन्न मूवी सेट, रेलवे स्टेशन, अस्पताल और अन्य यथार्थपरक फिल्मांकन स्थलों का अवलोकन किया। इससे विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सेट डिज़ाइन और तकनीकी कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। नेकलेस रोड भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक शहरी विकास और पर्यटन के महत्व को जाना। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे पूर्व भी विद्यालय के विद्यार्थी जयपुर, आगरा, उदयपुर, अहमदाबाद और चित्तौडग़ढ़ जैसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर चुके हैं। यह यात्रा न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समझ का भी विकास हुआ। सफल और सुरक्षित भ्रमण के लिए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने संतोष व्यक्त किया।

पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

शहडोल।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला पुलिस बल द्वारा पुलिसकर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ड्यूटी के दबाव में कार्यरत पुलिसकर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करना तथा उन्हें समय पर चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना रहा।

इस स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में जिला पुलिस बल को जिले के विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों का सहयोग प्राप्त हुआ। इनमें जिला चिकित्सालय शहडोल का मानसिक स्वास्थ्य विभाग, अमृता हॉस्पिटल, श्रीराम हॉस्पिटल, आदित्य हॉस्पिटल, दृष्टि निकेतन डे-केयर सेंटर, सेरा जेम, हर्बल न्यूटिश्यन (डाइट एवं बीएमआई परामर्श) तथा पुलिस हॉस्पिटल शहडोल द्वारा प्रदान की गई फिजियोथेरेपी सेवाएँ शामिल रहीं।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ द्वारा पुलिसकर्मियों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, सामान्य चिकित्सकीय जांच, नेत्र परीक्षण, फिजियोथेरेपी, पोषण एवं बीएमआई परामर्श जैसी सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार दवाइयां भी प्रदान की गईं तथा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं वाले कर्मियों को आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया गया। इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर से लगभग 300 पुलिसकर्मियों ने लाभ प्राप्त किया। पुलिसकर्मियों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे उनके स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ पुलिसकर्मी ही बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम होते हैं, इसलिए ऐसे शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस द्वारा किया गया यह प्रयास पुलिसकर्मियों के प्रति विभागीय संवेदनशीलता को दर्शाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है।

जेके सीमेंट का 'टेक्नोवेशन इवेंट' हाई-राइज निर्माण तकनीक पर हुआ मंथन

शहडोल। देश की अग्रणी सीमेंट निर्माता कंपनी जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में एक दिवसीय 'टेक्नोवेशन इवेंट' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निर्माण क्षेत्र से जुड़े इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स एवं तकनीकी विशेषज्ञों को हाई-राइज बिल्डिंग्स के निर्माण में हो रहे नवीनतम तकनीकी नवाचारों, आधुनिक इंजीनियरिंग प्रचलनों तथा भविष्य की चुनौतियों से अवगत कराना रहा। इसके साथ ही उत्कृष्ट तकनीकी योगदान देने वाले पेशेवरों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ जेके सीमेंट के इंडिया हेड (टेक्निकल) लव राघव, जोनल हेड सुधीर मिश्रा, जोनल हेड काशिफ खान एवं स्टेट हेड (सेल्स) राजकुमार द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने तेजी से बदलते निर्माण परिदृश्य, शहरीकरण की बढ़ती चुनौतियों तथा सुरक्षित और टिकाऊ भवन निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। टेक्नोवेशन इवेंट के दौरान आयोजित विशेष तकनीकी सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस सत्र में हाई-राइज इमारतों के निर्माण में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण, स्ट्रक्चरल सेफ्टी, भूकंप प्रतिरोधक डिजाइन एवं आधुनिक कंस्ट्रक्शन मैटेरियल्स

पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने इंजीनियर्स को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक और वैज्ञानिक निर्माण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शहडोल क्षेत्र के इंजीनियर्स के उल्लेखनीय योगदान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित 'मार्विक अवार्ड' इंजीनियर श्रीयम बाजोरिया को प्रदान किया गया, जबकि 'टेक्नोवेटर अवार्ड' इंजीनियर सोमित मोहन पाठक को दिया गया। इन सम्मानों के माध्यम से जेके सीमेंट ने तकनीकी उत्कृष्टता और नवाचार को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया।
इस अवसर पर टेक्निकल रिलेशनशिप मैनेजर आकाश सिंह तिवारी ने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी आयोजन इंजीनियर्स और उद्योग के बीच संवाद और सहयोग को मजबूत करते हैं, जिससे निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता और सुरक्षा के नए मानक स्थापित होते हैं। टेक्नोवेशन इवेंट में शहडोल से आर्किटेक्ट राजेश चौबे, दीपक बजाज सहित संजय पांडे, शुभदीप रक्षित, शैलेश सिंह चौहान, चेतन बजाज, विवेक जयसवाल, दीपक खेमका, अभिषेक गुप्ता, सौरभ गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव, ऋषिकेश गुप्ता, नीलेश देशमुख सहित बड़ी संख्या में इंजीनियर्स एवं आर्किटेक्ट्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की सफलता पर शहडोल जेके सीमेंट के ब्रांच मैनेजर बृजेश त्रिपाठी सहित पूरी जेके सीमेंट टीम ने अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन निर्माण क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति जेके सीमेंट की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है।

संभाग स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष-महिला प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

जयसिंहनगर।

उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. राज्य शासन के खेल कैलेंडर के आदेशानुसार पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में संभाग स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष महिला प्रतियोगिता का आयोजन 12 दिसंबर 2025 से 13 दिसंबर 2025 तक प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया। उक्त प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह एवं समापन एवं पुरस्कार वितरण में पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष सातिका तिवारी, जयसिंहनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष जय श्री कचे र,पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश द्विवेदी ,पूर्व मंडल अध्यक्ष राम नारायण पांडेय, दीपक केसरवानी , जगन्नाथ तिवारी, हीरो एजेंसी के संचालक एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता, पत्रकार बंधु वेद प्रकाश द्विवेदी, राकेश गुप्ता पंकज पांडेय ,एवं महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहेद्य उक्त प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर व्यवहारी गोहपारू कन्या शहडोल शंभू नाथ विश्वविद्यालय बुढार अनूपपुर कोतमा विजुरी राजनगर एवं पुष्पराजगढ़ की टीमों ने सहभागिता कीद्य विभिन्न महाविद्यालयों से क्रीड़ा अधिकारी के रूप में डॉक्टर नारायण सिंह बघेल, डॉ नृपेंद्र सिंह, डॉ इंद्र नारायण काछी, डॉ मनीष नामदेव, डॉ रामायण वर्मा, डॉ आनंद मिश्रा, डॉ राजकुमार गुप्ता, डॉ रामबहादुर सिंह, डॉ अजय सिंह, डॉ विजय सिंह, डॉ सुरेश चौधरी उपस्थित रहे। क्रीडा अधिकारियों के साथ-साथ डब्बू सिंह, विजय सिंह, दुर्गा जायसवाल, ऋतिक केशरी की भी भूमिका प्रतियोगिता संपूर्ण करने में अहम्-रही। संभाग स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष महिला प्रतियोगिता में सभी खिलाडिय़ों ने दो दिन तक अपना दम खम दिखाई, महिला वर्ग में यू. टी. डी.शहडोल ने चैंपियनशिप बनाई एवं उपविजेता का खिताब व्यवहारी महाविद्यालय ने जीताद्य वहीं पुरुष वर्ग में भी यूटीडी शहडोल ने चैंपियनशिप बनाई एवं उपविजेता का खिताब ब्यौहारी महाविद्यालय ने जीता तृतीय स्थान पर शासकीय महाविद्यालय जैसीनगर की टीम रही। सभी चयनित खिलाड़ी 15 दिसंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जबलपुर रवाना होंगे, प्रतियोगिता के समापन समारोह मे जयसिंहनगर पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनारायण पांडेय एवं करकी पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश द्विवेदी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समस्त को प्रतिभागियों को गुलदस्ता भेंट करते हुए दोनों मंडल अध्यक्षों के द्वारा मेडल पहनाकर प्रमाण पत्र दिया गया एवं सभी खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं ज्ञापित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कार्यक्रम समापन की घोषणा भी की गई द्य समस्त प्रतियोगिता संगठन सचिव दिलीप कुमार शुक्ला क्रीड़ा अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं, कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता संपन्न कराने में महाविद्यालय से प्रो गजेंद्र परते डॉ प्रमिला बास्केल डॉ सुभांगी गुप्ता डॉ अर्चना जायसवाल डॉ मुनव्वर अली प्रो.आदित्य शुक्ला प्रो. जसीम अहमद विवेक पाठक प्रो. भागवतराज बरमैया महेन्द्र साकेत राजेंद्र साकेत सुश्री राजेश्वरी गुप्ता आकांक्षा गौतम आसमा खान प्रेमशंकर माली, शीतेंद्र पयासी लकी एवं समस्त खिलाड़ी छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानव वन्य प्राणी द्वंद्व को कम करने के लिए छतवा में लगी प्रकृति की पाठशाला

उमरिया

14 दिसंबर। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के मार्गदर्शन तथा उप संचालक प्रकाश वर्मा के निर्देशन में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया, इको क्लब शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल ताला एवं बांसुरी फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से वन परिक्षेत्र पनपथा बफर के पथरहटा सर्कल के ग्राम छतवा में पर्यावरण जागरूकता (प्रकृति की पाठशाला) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर माध्यमिक शाला छतवा के 20, शासकीय हाई स्कूल महादेवा के 30 एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला के 25 विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों के लिए वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, मेढक दौड़, बोरा दौड़ एवं सांप -सीढ़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला के विद्यार्थियों द्वारा बाघ संरक्षण के महत्व को मैं भी बाघ गीत पर नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से बताया गया। सभी प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि सहायक संचालक पनपथा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के द्वारा पुरस्कृत किया गया । विद्यार्थियों को बीट बराघाटी के वन क्षेत्र में पाए जाने वाले लकड़ी के जीवाश्म के संबंध में भ्रमण कराकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। कायक्रम में सहायक संचालक भूरा गायकवाड़ पनपथा ,परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा प्रतीक श्रीवास्तव , प्राचार्य नागेंद्र तिवारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला,प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल महादेवा तथा शासकीय माध्यमिक शाला छतवा के शिक्षक,वन स्टाफ उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने की राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई । बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, टीबी, मलेरिया और आयुष्मान आदि सभी महत्वपूर्ण कायक्रमों पर चर्चा और समीक्षा की गई तथा जिले के समस्त सैक्टर सुपरवाइजर्स को राष्ट्रीय कार्यक्रमों के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु निर्देशित किया गया । बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ ऋचा गुप्ता द्वारा उचित मार्गदर्शन देते हुए बताया गया की शिशु के सम्पूर्ण टीकाकरण , गर्भवती माताओं की चार जॉच एवं संस्थागत प्रसव हेतु मॉनिटरिंग करते हुए सभी हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ प्रदान करने में समन्वय के साथ कार्य करें। सामुदायिक स्वास्थय अधिकारी एएनएम आशा आशा सुपरवाइजर के बीच समन्वय कर कार्य को संपादित करने हेतु निर्देशित किया गया । इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दशन पंद्राम और जिला कार्यक्रम समन्वयक शारदा प्रसाद गुप्ता एवं समस्त सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थिति रहे।

औढेरा में वृहद बोरी बंधान कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड पाली अंतर्गत पाली ब्लॉक के सेक्टर क्रमांक 4 ग्राम पंचायत ओढेरा में गाड़ा घाट में जल संचय अभियान अंतर्गत बोरी बंधान का बृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जल संचय हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रदेश स्तरीय बोरी बंधान कार्यक्रम में सहभागिता किया गया। बोरी बंधान का कार्यक्रम जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला ने कहा कि जल समस्त प्राणी जगत के लिए अमृत समान है एवं जल के हर एक-एक बूंद का संचय करना हम सभी का दायित्व हैं । उन्होंने जीव जंतु ,पशु पक्षी, पेड़ पौधे एवं मानव जीवन को जल के अभाव में अस्तित्व विहीन बताया तथा जल के आभाव में जीवन की कल्पना असंभव है।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास

पाठ्यक्रम अंतर्गत छात्र/छात्राओं के सहयोग से एवं ग्रामीण समुदाय के सहयोग से बोरी बंधान जलसंचय एक महत्वपूर्ण आयाम एवं वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए जल संरक्षण आवश्यक हैं उनका भविष्य के लिए उपयोग करने तथा वर्षा के जल को अधिक दिनों तक संरक्षण हेतु बोरी बधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सेक्टर क्रमांक 4 के परामर्शदाता कौशलेश कुमार सूर्यवंशी द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में बोरी बंधान के महत्व को बताया साथ ही दस्तावेजीकरण जल संचय, स्वच्छता जैसे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई। सभी सदस्यों द्वारा शपथ ली गई कि निरंतर जल संचय, स्वच्छता, नशा मुक्ति जैसे विशेष कार्यों को निरंतर किया जाएगा जिससे हमारे गांव हमारे प्रदेश एवं देश में इस संदेश को जन जन तक पहुंचा कर अभियान को सार्थक किया जा सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत औढेरा सरपंच अगसिया बाइर्, सीएमसीएलडीपी छात्र/छात्राएं अर्चना परस्ते प्रभात कुमार जायसवाल,बाबी सिंह ,अर्चना बैगा, तीजिया बैगा, गीता बैगा, लक्ष्मी सिंह, एकता गुप्ता, पूर्णिमा सिंह मार्को एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से सुनील सिंह, अर्चना सिंह एवं स्थानीय ग्रामीण जन द्वारा उक्त आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित की गई।

नेशनल लोक अदालत का मानवीय फैसला, बिखरते परिवार को मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नेशनल लोक अदालत कोतमा में शनिवार को एक भावनात्मक और प्रेरणादायक निर्णय सामने आया, जब प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंगा चरण दुबे ने अपने विवेकपूर्ण और संवेदनशील हस्तक्षेप से दो वर्षों से बिछड़े पति-पत्नी को पुनः एक कर दिया। यह फैसला न केवल कानून की जीत है, बल्कि सामाजिक समरसता और परिवार संरक्षण का सशक्त उदाहरण भी बना दिया। जानकारी के अनुसार, सूरज (परिवर्तित नाम) एवं मालिनी (परिवर्तित नाम) का विवाह वर्ष 2022 में ग्राम सकोला में संपन्न हुआ था। इस दंपति से एक पुत्र शिवम (परिवर्तित नाम) का जन्म हुआ। पारिवारिक मतभेदों के चलते ढाई वर्ष पूर्व पति-पत्नी के बीच विवाद गहराता गया। आवेदक सूरज द्वारा स्टांप पेपर पर अलगाव संबंधी लेखन किया गया, वहीं सामाजिक पंचायत और रिश्तेदारों के प्रयास भी असफल रहे। इसके बाद सूरज ने विवाह विच्छेद की कार्यवाही आरंभ की। दूसरी ओर, पत्नी मालिनी द्वारा पति के विरुद्ध घरेलू हिंसा अधिनियम, धारा 498-ए, 125 (3) सहित अन्य लगभग छह प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। सभी मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते हेतु संदर्भित किया गया। लोक अदालत में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षकारों, उनके अधिवक्ताओं तथा न्यायालय के मध्य विस्तार से चर्चा हुई। आवेदक की ओर से बताया गया कि पत्नी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मकृव्हाट्सएप और इंस्टाग्रामकृपर निजी

छायाचित्र साझा किए जाते थे तथा अत्यधिक समय मोबाइल पर व्यतीत किया जाता था। साथ ही पत्नी की मां द्वारा पारिवारिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया गया। वहीं पत्नी ने आगे पढ़ाई करने की इच्छा जताई, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच मतभेद सामने आए।प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंगा चरण दुबे ने दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों पर बल दिया। न्यायालय की मध्यस्थता में पत्नी के सोशल मीडिया अकाउंट्स को विलोपित कराया गया तथा यह सहमति बनी कि भविष्य में सोशल मीडिया के उपयोग की जानकारी पति को दी जाएगी। साथ ही यह भी तय हुआ कि पत्नी की मां पारिवारिक जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करेंगी। न्यायालय ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है। इस क्रम में यह आदेशित किया गया कि अनावेदक सूरज अपनी पत्नी मालिनी को अंतिम वर्ष की परीक्षा दिलाएगा और उससे संबंधित समस्त खर्च वहन करेगा। जब मालिनी के पुनः ससुराल जाने पर उसके द्वारा मायके पक्ष से जान को खतरा होने की आशंका जताई गई, तब न्यायालय ने परिवार की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए। आदेशानुसार, 15 दिसंबर को पुलिस बल की उपस्थिति में थाना परिसर से मालिनी को सुरक्षित रूप से विदा कराया जाएगा। इस मानवीय फैसले का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब न्यायालय के आदेश के पश्चात सूरज ने अपनी पत्नी को गले लगाया और मालिनी भी मुस्कुराते हुए अपने पति से लिपट गई। इस दृश्य ने उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर दीं। दोनों पक्षों के बीच सभी लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा कर दिया गया। नेशनल लोक अदालत का यह निर्णय न केवल एक परिवार को टूटने से बचाने में सफल रहा, बल्कि यह संदेश भी दिया कि संवाद, समझदारी और न्यायिक संवेदनशीलता से जटिल से जटिल पारिवारिक विवादों का समाधान संभव है।

उप निर्वाचन 2025 (उत्तरार्द्ध) हेतु निर्वाचन के संचालन हेतु प्रेक्षक नियुक्त

उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, जनपद पंचायत सदस्य (पाली नं.-2) के वार्ड क्रमांक 8 जिला उमरिया के उप निर्वाचन 2025 (उत्तरार्द्ध) हेतु निर्वाचन के संचालन के प्रेक्षण हेतु शिवानंद दुबे, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त), मो.नं.-9399427770 को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक द्वारा जिले में भ्रमण प्रथम चरण दिनांक 15 दिसम्बर 2025 से 18 दिसम्बर 2025 तक तथा द्वितीय चरण दिनांक 28 दिसम्बर 2025 से 02 जनवरी 2026 तक तक किया जाना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने प्रेक्षक के लायजनिंग कार्य हेतु हनुमान सिंह चौहान, सहायक जिला आबकारी अधिकारी जिला उमरिया मोबाईल नंबर 9399832391 को लायजनिंग ऑफिसर नियुक्त किया जाता है। श्री चौहान, सहायक जिला आबकारी अधिकारी, प्रेक्षक से संपर्क कर निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम अनुसार प्रेक्षक के ठहरने, भोजन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगें। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

शुभम समाज सेवी संस्था ने किया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

13 दिसंबर को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जल संचय अभियान के अंतर्गत, जिला समन्वयक अनुपपुर उमेश कुमार पांडे के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था शुभम समाज सेवी संस्थान द्वारा विकासखंड जैतहरी के सेक्टर क्रमांक 01 स्थित चन्दास नदी में वृहद बोरी बंधान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं भू-जल स्तर में वृद्धि करना रहा। बोरी बंधान के माध्यम से वर्षा जल को नदी क्षेत्र में रोककर जल का अधिकतम संचय किया गया, जिससे आने वाले समय में कृषि कार्यों को लाभ, पेयजल संकट से राहत तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी। यह कार्यक्रम जनभागीदारी के माध्यम से जल को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। उक्त कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे, विकासखंड समन्वयक फते सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी आदर्श शर्मा, संस्था के सचिव विद्यानंद शुक्ला, समाजसेवी रामरतन यादव, संस्था के संचालक ओमकांत शुक्ला, परामर्शदाता श्रीमती किरण प्रजापति, सपना पटेल सहित सी.एम.सी., एल.डी.पी.के. के छात्र अतीरथ शुक्ला, सत्यम पांडे, निखिल शुक्ला राम चतुर्वेदी एवं अन्य छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा यह संदेश दिया गया कि "जल है तो कल है"। सभी ने भविष्य में भी जल संरक्षण से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने का संकल्प लिया।

चचाई में लगातार हो रही चोरियों पर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज चचाई।

विद्युत नगरी चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत डीई कॉलोनी एवं डी टाईप कॉलोनी में चोरों द्वारा लगातार कई घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दे पुलिस को खुली चुनौती दे रहे थे जिस पर पुलिस द्वारा लगातार चोरों पर अपना शिकंजा कसते जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस के हाथ तीन कबाड़ चोर हाथ लगे जिनसे करीब 50000 के माल सहित गिरफ्तार किया गया।

यह रही घटना

चचाई थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार 11 दिसंबर को

विद्युत नगरी के डी टाइप कॉलोनी निवासी नारेंद्र कुमार द्विवेदी पिता स्वर्गीय पुजारी प्रसाद द्विवेदी उम्र 62 वर्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज किया जिसमें बताया कि वह शाम को अपने घर में ताला लगाकर अनूपपुर स्थित नए मकान में समान रखने गए हुए थे तभी रात 9:00 बजे वापस आने पर देखा कि पीछे का दरवाजा टूटा था एवं अंदर से सोने के पांच नग लॉकेट इनवर्टर बैटरी टॉर्च तथा फोर व्हीलर वाहन के टायर चोरी हो गए जिनकी अनुमानित कीमत 46150 रुपए बताई गई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 319/25 धारा 331 (4) 305 (1) बी एन एस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया विवेचना के दौरान संदेहियों से पूछताछ में अजीत विश्वकर्मा पिता स्वर्गीय जानू विश्वकर्मा उम्र 26 वर्ष निवासी अमलाई तथा मोनू बर्मन पिता स्वर्गीय भीखन उम्र 19 वर्ष निवासी अमलाई ने चोरी करना स्वीकार किया आरोपियों ने बताया कि चोरी किया इनवर्टर बैटरी एवं टायर उन्होंने सलीम खान पिता कमरूजमा उम्र 34 वर्ष निवासी विद्युत नगरी चचाई को बेच दिए हैं जबकि सोने के लॉकेट अपने पास रखे हैं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक इनवर्टर एक बैटरी एक टॉर्च दो टायर और पांच नग सोने के लॉकेट कुल मशरूका 46150 का जप्त किया और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चचाई सुंद्रेश सिंह सहायक उप निरीक्षक कमलेश शुक्ला, प्रधान आरक्षक विकास, सुखसेन तथा आरक्षक विवेक की मुख्य भूमिका रही।

समाचार पत्रों में उठा था मुद्दा

लगातार हो रही चोरियों पर समाचार पत्रों में स्थानीय कबाड़ कारोबारी उनके दर्जनों कबाड़ियों पर संदेह व्यक्त कर अंकुश लगाने की बात कही जाती रही है साथ ही ताप विद्युत गृह जैसे संवेदनशील क्षेत्र में कबाड़ के ठीहे संचालित होने पर विद्युत गृह के मुख्य अभियंता एवं चचाई थाना को कार्यवाही हेतु कई बार खबरें प्रकाशित किये जाते रहे हैं किंतु इस पर ध्यान न दिए जाने से डेढ़ वर्ष पूर्व हुए दर्जनों चोरी जैसी घटना की शुरुआत फिर प्रारंभ हो गई जिस पर अंकुश लगा निवास रत मंडल अधिकारियों कर्मचारियों एवं आम वासिंदोके घरों की सुरक्षा की जा सके।

खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत बुढार में 271 लंबित प्रकरणों का निराकरण कर सुलभ निपटारा किया गया

बुढ़ार। शनिवार को मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष काशीनाथ सिंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के निर्देशानुसार एवं सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार की अध्यक्षता में दिनांक 13. दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 04 खंडपीठ सुशील कुमार अग्रवाल

जिला न्यायाधीश, श्रीमती आकांक्षा तेकाम,ऋषव दीक्षित, लक्ष्मण रोहित न्यायिक मजिस्ट्रेट संचालित रही साथ ही न्यायालीन सहभागिता हेतु अति. सहायक अभियोजन अधिकारी कुर्वेद शाह ठाकुर, संतोष कुमार पाटले,अपर लोक अभियोजक अधिकारी एवं न्यायालयीन वरिष्ठ कर्मचारी श्रीमती अनीता शर्मा एवं नायब नाजिर राजकुमार पैकरा एवं अन्य कर्मचारी व पुलिस विभाग द्वारा न्यायालयीन कार्य में विशेष सहयोग रहा। न्यायालयीन प्रकरणों में बुढ़ार न्यायालय के अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा तथा अन्य पदाधिकारी गढ़ एवं अधिवक्ता मौजूद रहे। साथ ही नेशनल लोक अदालत के दिन शासन के समस्त विभाग बैंक नगरपालिका, विद्युत विभाग, लोक अदालत में उपस्थित रहे। जहां चारों कोर्ट मे 271 मामले आपसी समझाइश के आधार पर निपटे।

सफलता की कहानी

(न्यायालय श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश बुढार खण्डपीठ -14)- प्रकरण का संक्षेप इस प्रकार है कि 01- यह कि न्यायालय श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश बुढार के यहां लंबित प्रकरण धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम 1995 अंतर्गत (आर सी एसएचएम) (श्रीमती अलंकृता बनाम आर.नवीन कुमार) में तथ्य यह है कि उभयपक्ष का विवाह हिन्दू विधि से 12.12.2018 को सम्पन्न हुआ परन्तु विवाह के 4 साल बाद उभयपक्ष के मध्य वैचारिक मतभेद होने से उभयपक्ष का एकसाथ रहना कठिन हो गया है। उभयपक्ष के मध्य कई बार नाते रिश्तेदारों द्वारा समझाइश का भी प्रयास किया गया, किन्तु उभयपक्ष का आपस में रहना संभव नहीं हो पाया। उसके पश्चात उत्तरवादी का व्यवहार बिगड़ता चला गया, दोनों पक्षों के मध्य दाम्पत्य जीवन निर्वहन करना मुश्किल हो गया है। तदनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्तरवादी से वैवाहिक जीवन के न्यायिक प्रथक्करण की आज्ञाप्ति चाही गई। प्रकरण को आज नेशनल लोक अदालत की खण्डपीठ क्रमांक 14 (श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश) के समक्ष रखा गया, तत्सबंध में उपस्थित पक्षों को सुना गया। दोनों पक्षों को समझाईश दी गई जिससे दोनों पक्ष ने खुशी-खुशी राजीनामा कर लिया। एवं आगे कोई भी विवाद न होने की संभावना के साथ साक्ष्य लिया जाकर प्रकरण समाप्त किया गया। दोनों को फूलमाला पहनाकर न्यायाधीश महोदय ने आशीर्वाद दिया और पौधे सुलह के रूप में प्रदाय किया गया। इसके अलावा न्यायाधीश आकांक्षा टेकाम के यहां से लीगल एड के अधिवक्ता अरविंद साहनी और न्यायाधीश आकांक्षा टीकम जी की समझाइए दिए जाने पर चल रहे दो केस जिसमें घरेलू हिंसा और भरण पोषण के केस में रुक्मणी चौधरी और उनके पति गंगा चौधरी ने आपसी राजीनामा किया और अब अपने विवाद को खत्म कर फिर से एक दूसरे के हो गए और एक साथ यह वादा किया कि वह दोनों लोग मिलकर भविष्य में वैवाहिक जीवन का पालन करेंगे जिस पर उनके अधिवक्ता अरविंद साहनी द्वारा एक पेड़ आपसी राजी नामा करने के लिए उपहार शुरू प्रदान किया गया। वहीं अंत में न्यायाधीश ऋषभ दीक्षित के कोर्ट में जिन-जिन अधिवक्ताओं के केस आपसी राजी नामा के आधार पर प्रकरण का निपटारा किया गया उन सभी अधिवक्ताओं को न्यायाधीश दीक्षित ने एक-एक पेड़ देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

राहत भरी यात्रा के लिए बरौनी- गोंदिया- बरौनी का ठहराव जरूरी

बिरसिंहपुर पाली

यात्री सुविधाओं के लिए सतत प्रयास रत भारतीय रेल अगर सचमुच यात्रियों की राहत भरी यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना चाहता है तो चल रही सवारी गाडियों को दौडाने के साथ उनके ठहराव को लेकर भी गंभीर मनन चिंतन कर कुछ महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में दो मिनट के ठहराव देकर जहाँ जन आवाम को आवागमन की सुविधा मुहैया करा सकती है जिससे यात्रियों को सुगम सुविधा मिलेगी,

वही पर रेलवे की आमदनी में भी खासा इजाफा होने की पूरी संभावना बनती है। देखा जाता है की कई एक्स्प्रेस ट्रेन शीघ्र गामी के नाम पर खाली डिब्बे लेकर दौडती रहती है और उन पर और क्षेत्र पर इल्जाम लगता है कि इस क्षेत्र में चलने वाली गाडियों से रेलवे के राजस्व का नुकसान हो रहा है। रेलवे इस क्षेत्र में चलने वाली रेल गाडियों की समीक्षा करें तो पाया जायेगा कि कुछ महत्वपूर्ण गाडियों का ठहराव कुछ महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर मुहैया करा दे तो यात्री सुविधाओं के साथ रेलवे की आय में भी बढौतरी हो सकती है। उन महत्वपूर्ण गाडियों में से बरौनी गोंदिया और गौंदिया बरौनी एक्स्प्रेस के ठहराव की मांग एक लम्बे समय से शहडोल उमरिया रेलवे स्टेशन के बीच पडने वाले बिरसिंहपुर रेलवे स्टेशन में होती रही है, यह ट्रेन अप डाऊन दोनों सुबह के समय है, जिससे अधिकांशतः लोग इस ट्रेन के ठहराव की पिपासा में दिख रहा है।बिरसिंहपुर पाली नगरपालिका परिषद है जहाँ की आबादी वर्तमान में चालीस हजार के आसपास हैं, साथ में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण बिजली घर संजय गाँधी ताप परियोजना और कोल इंडिया का उपक्रम एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र की कोयला खदानें है, इन दोनों उद्योगों में विभिन्न प्रांतों के लोगों का भारी संख्या में हर दिन छत्तीसगढ़, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए आवागमन करते है, साथ ही बिरसिंहपुर पाली में ख्याति लब्ध मां जगत जननी बिरासनी देवी की आदम कद प्रतिमा और साथ में दुर्लभ हरिहर भगवान की प्रतिमा स्थापित सुन्दर, मनोहारी मंदिर होने की वजह से जगह जगह से श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है, इतना ही नहीं यहाँ से मैहर, प्रयागराज, वाराणसी, विंध्याचल जैसे धार्मिक स्थलों की सुगम भरी यात्रा इस गाड़ी से कम समय में सुगमता पूर्वक कर सकता है । यह सब सवारी टेन की सुलभता न होने के कारण सडक मार्ग पर निर्भर रहती है। इस जोखिम भरी यात्रा से मुक्ति पाने के लिए बिरसिंहपुर रेलवे स्टेशन में इस सवारी गाड़ी के ठहराव की लगातार मांग की जा रही है। बिरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर इसके ठहराव से इस सबके अलावा सैकड़ों गांव के लोग और डिण्डौरी जिले के लोगों के लिए मुंह मांगा वरदान मिल जायेगा।ध्यान देने योग्य है कि इस ट्रेंन की समय सारणी का अध्ययन करने पर पता चलता है कि उमरिया से कटनी के बीच गोंदिया बरौनी गाड़ी के पास पर्याप्त समय है अगर उससे दो मिनट सवारियों के सुविधा के लिए प्रयोग हो जाता है तो निश्चित ही यात्री सुविधाओं के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा। बिलासपुर जोन के महाप्रबंधक इन सारी वस्तु स्थिति का सूक्ष्मतम परीक्षण कर बरौनी गोंदिया 15231 और गोंदिया बरौनी 15232 के ठहराव की सुविधा आवश्यक रूप से बिरसिंहपुर पाली को उपलब्ध कराने कि पहल करेंगे।

दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान का द्वितीय चरण 17 से होगा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार पशु पालकों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान, तकनीकी जागरूकता तथा उनकी आय दोगुनी करने के उद्देश्य से सतत नवाचार किये जा रहे हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग को जिले में ₹दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान₹ का द्वितीय चरण 17 दिसंबर से शुरू करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने अभियान के तहत जिले में दुग्ध उत्पादन में गुणात्मक सुधार लाने हेतु पशुपालकों से गृह भेंट कर उनको तीन मुख्य स्तंभों नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर व्यापक रूप से जागरूक करने के निर्देश पशुपालन विभाग को दिये हैं।

तीन चरणों में अभियान

जिले में यह सम्पूर्ण अभियान तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 2 अक्टूबर 2025 से 9 अक्टूबर 2025 तक जिले के सभी गांवों में सफलता पूर्वक संचालित किया गया था। जबकि अभियान का द्वितीय चरण समस्त राज्य में 17 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है, जिसमें 5 से 9 गौवंशीय तथा भैंस वंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों से ग्रामों में जाकर सम्पर्क किया जाएगा। इस अभियान की अवधि न्यूनतम 7 दिवस एवं अधिकतम 15 दिवस रखी गई है। अभियान को निर्धारित समयसीमा में ही गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाएगा।

ऊर्जा साक्षरता अभियान में युवा टीम सदस्य ऊर्जा दूत बन आमजन को करेंगे जागरूक

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर शपथ दिलाई

बिरसिहपुर पाली उमरिया

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया द्वारा शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पाली में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।ऊर्जा का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। ऊर्जा के संरक्षण से ही विकसित भारत का लक्ष्य पूर्ण होगा। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस आयोजित किया जाता है।प्राचार्य ने विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण शपथ दिलाई। उन्होंने ने किया और ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न आयामों को साझा किया ताकि आने वाली पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभा सके। ऊर्जा संरक्षण वॉलिंटियर हिमांशु तिवारी ने कहा कि वैश्विक समस्याओं का हल विज्ञान एवं वैज्ञानिक सोच से ही संभव है। ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता ही देश को सक्षम और शक्तिशाली बनाता है।उन्होंने कहा कि आज दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ऊर्जा की अनावश्यक खपत रोकने, ऊर्जा स्रोतों को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए आमजन को ऊर्जा साक्षरता अभियान से जोड़ना अति आवश्यक है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा संरक्षण वालंटियर हिमांशु तिवारी , विद्यालय विद्यार्थी नासरीन प्रवीन, पायल प्रजापति, प्रिया सोनी अंजना सिंह, राधिका, साहू खुशी बैरागी,क्षमा साहू, प्रतिभा गुप्ता ,सपना प्रजापति, पावनी प्रजापति अभिषेक बसोर, राज प्रजापति, दुर्गेश कोल व सभी उपस्थित रहे।

रामपुर बटुरा ओसीएम में 3299 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट की शुरुआत

जय अंबे कंपनी ने किया भूमि पूजन

धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की सबसे बड़ी कोयला खदान रामपुर बटुरा ओपनकास्ट माइंस (ओसीएम) में नए युग की औपचारिक शुरुआत हो गई है। रविवार 14 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे जय अंबे कंपनी द्वारा संचालित होने वाले जे.ए.आर.पी.एल. कंसोर्टियम के 10 वर्षीय मेगा प्रोजेक्ट का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर भूमिगत क्षेत्र में भगवान महाकाली की पूजा-अर्चना कर नए कार्यों के लिए आशीर्वाद लिया गया।जय अंबे कंपनी के मैनेजर आलोक त्रिपाठी ने पूर्व में ही समस्त यूनियन प्रतिनिधियों को फोन के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी दी थी। भूमि पूजन समारोह में सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी.के. जेना, रामपुर बटुरा उपक्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा, खान प्रबंधक ए.पी. जोड़ (जोड़े साहब) सहित एसईसीएल और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।यह मेगा प्रोजेक्ट 3299.51 करोड़ रुपए की लागत का है, जो 10 वर्षों के लिए स्वीकृत किया गया है। यह न केवल सोहागपुर एरिया का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, बल्कि एरिया का पहला 10 वर्षीय लॉन्ग टर्म टेंडर भी माना जा रहा है। अनुबंध अवधि में कंपनी द्वारा 353.80 मिलियन मीट्रिक टन ओवरबर्डन हटाने और 3 करोड़ 75 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।वर्तमान में रामपुर बटुरा ओसीएम का संचालन ढोलू कंपनी के पास है, जिसका टेंडर जनवरी 2026 में समाप्त होगा। इसके बाद नए वर्ष से जय अंबे कंपनी खदान का संचालन संभालेगी, जो अगले दस वर्षों तक सोहागपुर एरिया के कोयला उत्पादन की रीढ़ बनेगी।रामपुर बटुरा ओसीएम को 30 लाख टन वार्षिक कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है। यह खदान पहले भी लगातार लक्ष्य से अधिक उत्पादन कर सोहागपुर एरिया की साख बढ़ाती रही है। नई कंपनी के आने से उत्पादन क्षमता, तकनीक और कार्यगति में और इजाफा होने की उम्मीद है।नया वर्ष 2026 सोहागपुर एरिया की खदानों के लिए विस्तार और बदलाव का संकेत दे रहा है। अमलाई ओसीएम में आर.के. ट्रांसपोर्ट कंपनी जनवरी से उत्पादन शुरू करने की तैयारी में है, वहीं रामपुर बटुरा ओसीएम में जे.ए.आर.पी.एल. कंपनी कार्यभार संभालेगी। इसके साथ ही राजेंद्रा और दामिनी भूमिगत माइंस में सीएम मशीनें लगाने की प्रक्रिया जारी है, जिससे भूमिगत उत्पादन कई गुना बढ़ने की संभावना है।सोहागपुर एरिया के नए महाप्रबंधक बी.के. जेना ने कार्यभार संभालते ही उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वे लगातार खदानों का निरीक्षण कर रहे हैं और अधिकारियों को सुरक्षा के साथ लक्ष्य प्राप्ति के सख्त निर्देश दे रहे हैं।भूमि पूजन समारोह में प्रेसिडेंट अवध बिहारी पांडे, प्रोजेक्ट हेड के.के. पाठक, मैनेजर अंशुल तिवारी, आलोक त्रिपाठी, जीएम (माइनिंग) मनीष श्रीवास्तव, सेफ्टी ऑफिसर अशरफ खान, राजेश दबे, रमेश सिंह, यूनियन प्रतिनिधि, रामपुर क्षेत्र के किसान और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।रामपुर बटुरा ओसीएम में यह भूमि पूजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सोहागपुर एरिया के औद्योगिक भविष्य की मजबूत नींव के रूप में देखा जा रहा है।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में 528 खिलाड़ी करेंगे प्रदर्शन

19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक आयोजित होगी राष्ट्रीय बॉस्केटबाल प्रतियोगिता

शहडोल।

जिले में 19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली 69 वीं राष्ट्रीय बॉस्केटबाल प्रतियोगिता के सफल आयोजन संबंधी बैठक संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश धुर्वे की उपस्थिति में संयुक्त संचालक कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई।

संयुक्त संचालक ने समिति प्रभारियों को निर्देश दिए की राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन समन्वय स्थापित करते हुए सुनिश्चित करेंगे। प्रतियोगिता मंब सम्मिलित होने वाले खिलाडय़ों एवं कोचों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखेंगे। बैठक में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने बताया कि 69वीं राष्ट्रीय बॉस्केटबाल प्रतियोगिता आयोजन शहडोल मुख्यालय में 19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर आयोजित की जाएगी। उक्त प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए समितियों का गठन किया गया जिसमें नियंत्रण कक्ष, स्वागत समिति, आवास व्यवस्था समिति, भोजन व्यवस्था समिति, पंजीयन एवं रिकार्ड समितिए क्रीड़ागन व्यवस्था समिति, यातायात वाहन समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, आवास से खेल मैदान वाहन समिति प्रचार-प्रसार समिति, लाईट एवं साफ-सफाई समिति, खेल मैदानों में मंच संचालन समिति, मंच संचालन समिति एवं संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति एवं इन समितियों में अधिकारियो एवं कर्मचारियों की ड्यूटी संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों के रूप में लगाई गई है। उन्होंने ने बताया कि प्रतियोगिता में देश के अलग अलग राज्यों की 44 टीमें भाग लेंगी। जिसमें 528 खिलाड़ी तथा टीमों के प्रबंधक एवं कोच शामिल होंगे।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी फूलसिंह मरपाची, एपीसी अरविंद पाण्डेय, सहायक संचालक खेल रईस अहमद सहित समितियों के संयोजक, सह-संयोजक सदस्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

प्रभारी मंत्री के भाषण के शोर शराबे के बीच छात्रों ने दी परीक्षा

देश-समाज तोड़ने वालों से रहें सावधानः प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती पर आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शनिवार को प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान में सम्मानित किया। वहीं दूसरी ओर नवोदय विद्यालय की कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा विद्यालय में चल रही थी, सम्मान समारोह में प्रभारी मंत्री के भाषण का शोर शराब चालू रहा जिससे परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि देश-समाज को तोड़ने वाली वामपंथी विचारधारा से सभी को सावधान रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नई शिक्षा नीति लागू कर विद्यार्थियों के भविष्य को उज्जवल बनाने का कार्य किया गया है। हमारी सरकार छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। एबीवीपी देश-

समाज हित में कार्यरत संगठन है, जो छात्रों की पढ़ाई से लेकर तमाम समस्याओं का समाधान करता है। अंत में मंत्री श्री अहिरवार ने सभी सम्मानित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिले में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 2873 छात्रों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संदीप खरे, विभाग संगठन मंत्री शिवेंद्र चतुर्वेदी, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडे, जिला संयोजक प्रणव मिश्रा, नगर अध्यक्ष दुर्गेश द्विवेदी एवं नगर मंत्री अभिषेक तिवारी भाजपा जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह मंडल उपाध्यक्ष राजा तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कानफोडू आवाज के बीच बच्चों ने दी परीक्षा

शनिवार को जिले के 18 केंद्रों के साथ आयोजन स्थल में बने विद्यालय में नवोदय विद्यालय की कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा विद्यालय में चल रही थी, इस बात से अंजान बने आयोजकों ने यह नहीं सोचा कि परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों कोइस कानफोडू आवाज से परीक्षा दे रहें बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। बच्चों को परीक्षा दिलायें आयें अभिभावकों ने बताया कि बच्चों को पहला और अंतिम मौंका हैं जिससे नवोदय विद्यालय में प्रवेश मिल सकें, लेकिन इस शोर-शराबे से बच्चों को परेशानी हुई हैं। परीक्षा भवन से निकले बच्चों ने बताया कि इस शोर-शराबे से सवाल हल करने में परेशानी हुई हैं, जिससे जो याद किया था वह भूल गया। सहायक आयुक्त सविता नायक ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान की अनुमति हमने नहीं दी हैं। उन्होंने अभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि इसकी जानकारी हमें नहीं है वही उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य अजय जैन ने बताया कि विद्यालय के मैदान की अनुमति हमसे नहीं ली गई है। यह जिला प्रशासन के स्तर का है।

खबर संक्षेप

अमरकंटक में 56वीं अभा रेलवे क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ (सेक्रसा) के तत्वावधान में नर्मदा के उद्गम स्थल, अमरकंटक (पहाड़ी क्षेत्र) में आयोजित 56वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रॉस कंट्री (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2025 आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों की 14 टीमों के कुल 122 खिलाड़ियों (71 पुरुष एवं 51 महिला) ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं सहनशक्ति का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जी के कर-कमलों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में उत्तर पूर्व रेलवे की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि क्रॉस कंट्री जैसे कठिन खेल में खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित सहनशक्ति, गति, टीमवर्क और खेल भावना भारतीय रेल की समृद्ध खेल संस्कृति को सशक्त रूप से दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह खेल शरीर के साथ-साथ मन और धैर्य की भी परीक्षा लेता है, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने स्वयं को उत्कृष्ट सिद्ध किया है। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी विजेता है, क्योंकि सभी ने अपने परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से भारतीय रेल परिवार की प्रतिष्ठा को और ऊँचाई प्रदान की है। खेलों से मिलने वाले अनुशासन, धैर्य, पारस्परिक सम्मान एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे गुण संगठन को भी मजबूत बनाते हैं। महाप्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ प्रदर्शित प्रतिभा आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमकेगी और भारतीय रेल का नाम और अधिक गौरवान्वित करेगी। इन्हीं शुभेच्छाओं के साथ उन्होंने प्रतियोगिता के समापन की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एवं प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मंडल रेल प्रबंधक/बिलासपुर, वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रशिक्षकगण, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इससे पूर्व वर्ष 2022 में भी इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था।

गंदगी के ढेर तले दम तोड़ रहा स्वच्छ भारत मिशन

जिला अस्पताल का सुलभ शौचालय परोस रहा बीमारियां

अस्पताल के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी का कोना पीक से लाल है तो मुख्य अस्पताल मे जहां तहां गंदगी व्याप्त है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

खुद के दफ्तर इतने गंदे और जनता में जगा रहे स्वच्छता की अलख

प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान को सफल बनाने में पूरा सरकारी महकमा जुटा है। स्वच्छता की तख्तियां लिए अदने से कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी तक घर-घर दस्तक देकर जनता को सफाई के लिए प्रेरित कर रहे हैं, लेकिन खुद कितना गंभीर हैं ये तस्वीरों से ही साफ हो जाता है। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी का कोना पीक से लाल है तो मुख्य अस्पताल मे जहां तहां गंदगी व्याप्त है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सफाई को लेकर चल रही तमाम कोशिशों में जनता भी सहयोग कर रही है, लेकिन शासकीय विभाग व कर्मचारी खुद कितने सजग हैं इसकी तस्वीर क्षेत्र के सार्वजनिक सरकारी दफ्तरों में नजर आती है। जब हरिभूमि की टीम ने पड़ताल की तो पता चला कि यहां तो दीये तले अंधेरा है। जो सरकारी महकमा लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ा रहा है, उन्ही के कार्यालय सहित खुद अस्पताल में गंदगी का अंबार है। ऐसे में साफ है कि स्वच्छता अभियान की जरूरत शहर से ज्यादा अस्पताल में है। मुख्यालय के जिला अस्पताल परिसर मे बना सार्वजनिक सुलभ कॉम्पलेक्स में गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

अस्पताल के शौचालयों के बुरे हाल

जिला चिकित्सालय में महिला-पुरुष शौचालयों के हाल बुरे हैं। यहां पर नियमित सफाई नहीं होने से शौचालय गंदगी से भरे पड़े हैं। बदबूदार शौचालय में शौच को जाने वाली महिलाओं को डर इस बात का भी रहता है कि कहीं पानी गिरे फर्श से फिसलकर उनके शरीर का कोई अंग क्रेक नहीं हो जाए। यहां का गंदा पानी बाहर जाने की जगह अंदर ही एकत्रित हो रहा है। ऐसे में मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। सुलभ शौचालयों में गंदगी का अंबार प्रशासन की लापरवाही, रखरखाव की कमी, खराब मोटर पंप, और फंड की समस्या के कारण लगता है, जिससे स्वच्छ भारत अभियान की धज्जियां उड़ती हैं और बीमारियाँ फैलती हैं, भले ही बाहर से ये चकाचक दिखें, इसके समाधान के लिए नियमित निगरानी, कर्मचारियों को वेतन और रखरखाव के लिए पैसा, और जनता की जागरूकता जरूरी है, जैसा कि कई जगहों पर देखा जा रहा है।

सुलभ शौचालय मे कुंडी ही नही

जिला अस्पताल परिसर मे बने सुलभ शौचालय के कमरों मे कुंडी ही नही है जिससे शौच का उपयोग करने के लिए जाने वाले व्यक्ति को भारी समस्याओं को सामना करना पड़ता है वही कमरे के अंदर पीक से दीवारें लाल हैं तो बाहर हाथ धोने वाले स्थान सहित यूरिनल के पास व पूरे शौचालय परिसर मे बदबू और गंदगी का समावेश है जिससे सुलभ शौचालय की बेहतर व्यवस्था के दावे यहां पर ध्वस्त होते दिखाई देते हैं। जबकि यहां आने वाले लोग ज्यादातर मरीजों के परिजन होते हैं जो यहां से निकलकर सीधे मरीजों तक पहुंचते हैं जो अपने साथ बीमारियों को ले जाकर मरीजों को दे देते हैं जो एक दिन मे ठीक होने वाला मरीज यहां कई दिनों तक भर्ती रह जाता है।

जाने से कतराते हैं लोग

शौचालय के उपयोग के बाद एक मरीज के परिजन ने कहा कि सुलभ शौचालय इतना अधिक बदहाल हो चुका है कि वह उपयोग करने लायक भी नहीं रह गया है। गंदगी के कारण आम लोग व मरीज के परिजन कई बार शुलभ शौचालय का उपयोग करने से भी कतराते हैं। जिला अस्पताल का एकमात्र सुलभ शौचालय के बदहाल होने की जानकारी प्रशासन को होने के बाद भी वे इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। आसपास दूसरा शौचालय नहीं होने के कारण मजबूरी में यहां आना पड़ता है। नगरपालिका सुलभ के रख रखाव व सफाई की ओर बिलकुल ध्यान नहीं देती है।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद आज उत्कृष्ट कार्य के लिए करेगी सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद अनूपपुर द्वारा आज सोमवार 15 दिसंबर को पुलिस सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम होटल गोविंदम् अनूपपुर में शाम 6 बजे आयोजित होगा। सम्मान समारोह का उद्देश्य पुलिस बल का मनोबल बढ़ाना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास की भावना को और अधिक मजबूत करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली रहेंगे। इस अवसर पर जिले के पुलिस कप्तान सहित थाना प्रभारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। विशेष रूप से पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान को सम्मानित किया जाएगा, जिन्हें 15 अगस्त 2024 को राष्ट्रपति द्वारा पुलिस वीरता पदक से अलंकृत किया जा चुका है। यह सम्मान उन्हें हॉक फोर्स बालाघाट में सेवा के दौरान नक्सल विरोधी अभियानों में साहसिक भूमिका निभाते हुए दो इनामी माओवादी अपराधियों के विरुद्ध की गई प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रदान किया गया था। पुलिस वीरता पदक प्राप्त करने एवं जिले में उत्कृष्ट पुलिसिंग व्यवस्था के लिए श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही जिले में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 11 थाना प्रभारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें अपराधों का अधिकतम निराकरण, प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का त्वरित समाधान, माइनर एक्ट एवं नारकोटिक्स एक्ट में प्रभावी कार्रवाई, स्थायी वारंटों की अधिकतम तामिली, गुम नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी, कुटुंब न्यायालय से प्राप्त वसूली वारंटों की तामिली, धारा 173 (8) जा.फौ. के प्रकरणों का निराकरण, जिला बदर की कार्रवाई, लंबित चालानों एवं मर्ग प्रकरणों का शीघ्र निराकरण, कानून-व्यवस्था नियंत्रण, वीआईपी ड्यूटी, लंबित शिकायतों का त्वरित निपटारा, समन तामिली तथा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं जागरूकता कार्यक्रमों में सराहनीय योगदान शामिल है।

विश्व हिंदू परिषद की राष्ट्रीय स्तरीय मार्गदर्शक मण्डल बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय मार्गदर्शक मण्डल बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में देशभर से संत-महात्मा, धर्माचार्य एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य आदिवासी अंचलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उभरती धार्मिक व सामाजिक चुनौतियों पर विचार करते हुए सनातन धर्म, मठ-मंदिर व्यवस्था एवं हिंदू समाज को वर्तमान समय के अनुरूप सही दिशा प्रदान करना रहा। बैठक में अमरकंटक के प्रतिष्ठित संत स्वामी जगदीशानंद महाराज, कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक तथा महामण्डलेश्वर स्वामी हरिहरानंद महाराज, मृत्युंजय आश्रम, अमरकंटक की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों संतों ने सनातन धर्म की मूल भावना, सामाजिक समरसता तथा धार्मिक संस्थाओं की समाज निर्माण में भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। मार्गदर्शक मण्डल बैठक में यह विचार प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया कि मठ, मंदिर और संत समाज केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रहकर संस्कार, सेवा, शिक्षा और राष्ट्रभाव के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का कार्य करें। संत समाज ने एक स्वर में कहा कि आज के समय में सनातन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठित, सकारात्मक एवं संवादपरक प्रयास आवश्यक हैं। बैठक में हिंदू समाज को जागरूक करने, युवाओं को धर्म व संस्कृति से जोड़ने, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सतत अभियान चलाने तथा राष्ट्रहित में धर्माचार्यों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संतों ने आह्वान किया कि भारतवर्ष का संत समाज एकजुट होकर सनातन धर्म की रक्षा, संवर्धन एवं सामाजिक समरसता के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित संतों एवं पदाधिकारियों ने सनातन धर्म, राष्ट्र और समाज के सर्वांगीण उत्थान हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

15 खण्डपीठों के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

1482 प्रकरणों मे 4 करोड़ 37 लाख 35 हजार 495 रूपये की राशि की गई अवॉर्डिड

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के मार्गदर्शन में 13 दिसम्बर को जिला एवं सत्र न्यायालय अनूपपुर एवं तहसील सिविल न्यायालय कोतमा/राजेन्द्रग्राम में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय अनूपपुर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल जी के द्वारा, मॉ सरस्वती जी के चित्र में पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मनोज कुमार लढ़िया, प्रथम जिला न्यायाधीश/संयोजक नेशनल लोक अदालत नरेन्द्र पटेल, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीकृष्ण डागलिया, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती चैनवती ताराम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा, सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायिक मजिस्ट्रेट, बॉबी सोनकर न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुश्री सृष्टि साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, जिला अधिवक्ता बार संघ से अध्यक्ष संतोष सिंह परिहार, सचिव राम कुमार राठौर, शासकीय अभिभाषक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा, लीगल एड डिफेंस काउंसेल संतदास नापित, जिला अधिवक्ता संघ के समस्त अधिवक्तागण खण्डपीठ के सुलहकर्ता सदस्यगण, पैरालीगल वालेंटियर्स, पुलिस बल, बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिला न्यायालय एवं जिला प्राधिकरण अनूपपर के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

15 खण्डपीठों का किया गया था गठन

उक्त नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला स्तर पर 08 खण्डपीठ, तहसील सिविल न्यायालय कोतमा हेतु 04 खण्डपीठ एवं राजेन्द्रग्राम हेतु 03 खण्डपीठ का गठन किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 15 खण्डपीठों का गठन किया गया। नेशनल लोक अदालत में आपराधिक 118, चैक बाउंस 45, क्लेम प्रकरण 12, वैवाहिक प्रकरण 33, विद्युत प्रकरण 85, अन्य सिविल प्रकरण 39 एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण 627, इस प्रकार कुल 1482 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिसमें कुल चार करोड़ सैतीस लाख पैतीस हजार चार सौ पन्चानवे रूपये की राशि अवॉर्डिड की गई। मिली जानकारी के अनुसार विद्युत विभाग ने जिले मे 501 प्रकरणों मे 44 लाख 83 हजार 721 रूपये की राशि जमा कराई है। जो अन्य जिलों की तुलना मे काफी अधिक है।

इन प्रकरणों मे हुआ राजीनामा

11 जनवरी 2017 को पटौरा टोला अनूपपुर में अभियुक्तगण कृष्णल उर्फ दद्दू, रामबाई बैगा पति ओमकार बैगा, उमाबाई बैगा पति लालदास बैंगा, लालदास बैगा पिता खेमराज बैगा ने, सुसीलाबाई पति कन्हैया,कन्हैया पिता लालमन, कल्लू सेन पिता लालमन के साथ घटनाकारित कर मारपीट की थी, जिसमें थाना कोतवाली में शिकायत की गई थी। अभियुक्तगण को दोष सिद्ध कर छः-छः माह का कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया गया था। जिसकी अभियुक्तगण द्वारा अपील की गई थी। अपील के दौरान माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा फरियादीगणों को अंतिम नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर की सूचना देकर न्यायालय बुलाया गया, जिसमें खण्डतपीठ में उपस्थित न्यायाधीश एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा समझाईस देने पर फरियादीगणो ने राजीनामा कर मामले को समाप्त कर लिया एवं खण्डपीठ के द्वारा उपहार स्वरूप पौधा प्राप्त किया। दूसरे प्रकरण मे फरियादी ओमवती नायक पति मोहबत सिंह नायक दोनों के बीच फरियादी के मायके जाने से दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद प्रारम्भ हो गया, जिसमें पत्नी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई मामला न्यायालय तक आ गया। न्यायालय के द्वारा समझाने पर दोनों के बीच विवाद समाप्त हो गया और पति-पत्नी के मध्य दाम्पत्य जीवन पुनः सुचारू रूप से चलने लगा।

तुलसी महाविद्यालय में भारतीय भाषा दिवस पर व्याख्यानमाला तथा कवि गोष्ठी सम्पन्न

आत्मबोध की पराकाष्ठा ही विश्वबोध है

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में भारतीय भाषा दिवस पर हिन्दी विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग तथा अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में 'आत्मबोध से विश्वबोध' विषय पर व्याख्यानमाला तथा कवि 'स्व. रमावती देवी स्मृति' कविगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. अनिल सक्सेना के निर्देशन में हुआ, कार्यक्रम 02 सत्रों में आयोजित होकर सफल रहा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का प्रारंभ मॉ वीणापाणि की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन और पूजन अर्चन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश सोनी प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र अमरकंटक विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिशद महाकौशल प्रान्त रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र तिवारी, जिला सरसंघ चालक, अनूपपुर ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल सक्सेना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आत्मबोध की प्रक्रिया में हम अपने अस्तित्व केन्द्र से जुड़ते है तथा सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड के साथ एकाकार होकर विश्वबोध की यात्रा तय करते हैं। 'आत्मबोध से विश्वबोध' विषय पर केन्द्रित व्याख्यान माला के प्रथम वक्ता विश्व गीता प्रतिष्ठानम् के जिला प्रमुख दीपक त्रिपाठी ने भारतीय चर्वाक दर्शन पर प्रकाश डालते हुए आत्मबोध के तत्व को व्याख्यायित किया। मुख्य वक्ता डॉ. राकेश सोनी, प्राध्यापक दर्शनशास्त्र, अमरकंटक विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में भारतीय भाषा की संरचनात्मक संवेदनाओं के मर्म से उपजे संस्कृति की अविच्छिन्न प्रवाह से आत्मबोध की यथार्थता एवं राष्ट्रबोध के संदर्भ में हम सबकी भूमिका पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए अत्यंत सरल शब्दो में 'आत्मबोध से विश्वबोध' की यात्रा का तुलनात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया । अपने उद्बोधन में डॉ.सोनी ने भारतीय संस्कृति की भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुस्यूत 'अतिथि देवो भव' से 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की उदात्ता के महत्व को प्रतिपादित किया। राजेन्द्र तिवारी, जिला संघ चालक अनूपपुर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आत्मबोध ही वास्तविक ज्ञान है, जिसे हम व्यवस्थित और अनुशासित तप से प्राप्त कर सकते हैं, आदि शंकराचार्य जी ने ज्ञान को उत्कर्ष और मोक्ष प्राप्ति का साधन बताया है,आत्मा ही परिपूर्ण और सर्वज्ञ है आत्मबोध की साधना ही मोक्ष की प्राप्ति का साधन है, अत एव आत्मबोध की पराकाष्ठा ही विश्वबोध है।

उपस्थिति ने बनाया विशेष- व्याख्यानमाला का सफल संचालन करते हुए डॉ. नीरज श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष हिन्दी ने कहा कि वेदान्त दर्शन के अनुसार हम न तो शरीर हैं, न मन हैं अपितु हम शुद्ध चेतना या आत्मा हैं और यही ज्ञान हमें अविनाशी स्वरुप का एहसास कराता है। इस अवसर पर साहित्यकार एवं कलाकार पवन छिब्बर,डॉ.जे.के.सन्त विभागाध्यक्ष राजनीति षास्त्र, सुरेन्द्र मिश्र, प्राचार्य, डॉ. राधा सिंह विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, डॉ. सुधा शर्मा, सदस्य जिला उपभोक्ता आयोग, अनूपपुर, डॉ. विनोद कोल, डॉ. अमित भूशण द्विवेदी, डॉ. दुर्गेश द्विवेदी, डॉ. बृजेन्द्र सिंह,रोशन पुरी, प्रान्त परावर्तक सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। द्वितीय सत्र का आरंभ कवि गोष्ठी से आरंभ हुआ जिसमें शहडोल संभाग के कवियों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को अत्यंत रोचक और मनोहारी बनाया। कवि गोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला उपभोक्ता आयोग अनूपपुर की सदस्य डॉ. सुधा शर्मा तथा अध्यक्षता हास्य व्यंग्य कलाकार पवन छिब्बर ने तथा विशिशष्ट अतिथि प्रख्यात गाजलकार दीपक अग्रवाल, डॉ. जे.के.सन्त एवं डॉ. राधा सिंह। कार्यक्रम का आरंभ मॉ सरस्वती जी के सम्मुख दीप प्रज्जवलन और सरस्वती वंदना एवं युवा संगीतकार मोहनीया गुप्ता के बॉसुरी वादन से हुआ। युवा कवि कृष्णा मिश्र (अतुल), अभिषेक श्रीवास्तव,ओमदत्त ओर्के, संतोष सोनी एड.ने वीर रस की कविता तथा गीत, गाजल प्रस्तुत कर सबका मन मोंह लिया। शहडोल की वरिष्ठ कवियित्री संगीता शुक्ला द्वारा प्रस्तुत गीत ने खूब वाह-वाही लूटी। वरिष्ठ कवि अनिल प्रभात शुक्ल, गजेन्द्र मिश्र तथा डॉ. सुधा शर्मा, श्रीमती मीना सिंह, श्रीमती आकांक्षा शुक्ला की कवितायें और गीतों को अत्यंत सराहा गया, दीपक अग्रवाल के गाजलों ने कार्यक्रम को आनंद से परिपूर्ण कर दिया। डॉ.जे.के.सन्त के हृदय स्पर्शी गीत ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया,कार्यक्रम संचालन कर रहे डॉ. नीरज श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत गीत से कवि गोष्ठी का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. विनोद कोल, डॉ. तरन्नुम षरबत, डॉ. सूरज परवानी, डॉ. बृजेन्द्र सिंह, डॉ. अमित भूशण द्विवेदी,समाजसेवी एवं वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अनूपपुर में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। धर्मनगरी अनूपपुर में इन दिनों भागवत कथा पंचम दिवस पर पहुंच गई। जहां काफी संख्या में धर्म प्रेमी पहुंचकर कथा का आनंद ले रहे हैं। संकल्प कालेज एवं पुराने पालिटेक्निक भवन वार्ड छः में चल रही भागवत कथा में कथा वाचक के रूप में व्यास पीठ की आसंदी से कथा व्यास परम पूज्य संत शिरोमणि वैष्णव कुलभूषण राम बल्लभा कुंज पीठाधीश्वर 1008 राम शंकर दास वेदांती पीठाधीश्वर श्रीराम वल्लभाकुंज जानकी घाट, अयोध्या धाम महाराज व्यास द्वारा ध्रुव चरित्र की कथा कहते हुये कहा भगवान की भक्ति का ही परम प्रताप हैं कि पिता के प्यार से वंचित अबोध बालक को भगवान के प्रति हुये अनुराग का प्रतिफल ऐसे परम धाम की प्राप्ति हुई जो सप्त ऋषियों को नहीं मिल पाई। भक्ति का भाव ही ऐसा है भगवान इसके बंधन में बंधे हैं। विराग, बैराग्य, अनुराग भक्ति के ये परम साधन है।